



**पालिसीधारकों / दावेदारों को एनईएफटी विकल्प की आवश्यक जानकारी :**

- संलग्न आदेश पत्र में दिए गए सभी मुद्दों को ठीक तरह से भरा जाए यह आदेश पत्र 6 विभिन्न पालिसी नंबरों के लिए उपयोग में लाया जा सकता है।
- एनईएफटी का आवेदन पत्र हमारी शाखा के पते में या कस्टमर झोन में भेजा जाए।
- पालिसी धारक / दावेदार को अपना बिनलिखा निरस्त किया हुआ बैंक का पत्रक या पासबुक / बैंक बुक की फोटोकॉपी जिसमें उसके खाते का पूर्ण विवरण हो जमा करना होता।
- देय तिथि के दो दिन के अंदर यदि आपके बैंक खाते में देय राशी जमा नहीं है तो कृपया अपनी शाखा से संपर्क करें।
- पालिसी धारक या वार्षिकीप्राप्ती का खाता पालिसी के भुगतान के समय ही संघालित होगा।
- आदेश पत्र जमा करने से पूर्व पालिसी धारक / दावेदार को बैंक से यह जानकारी प्राप्त कर लेनी चाहिए कि बैंक एन.ई.एफ.टी. समर्थ है या नहीं।
- पालिसी धारक / दावेदार का नाम बैंक खाते में दर्शाए गए नाम से मेल खाना चाहिए अन्यथा इसे निरस्त किया जाएगा।
- एन. आर. आई. खाते एफ. ई. एम. ए. के निर्देश द्वारा नियंत्रित किए जाते हैं अतः एल.आई.सी. द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि एन.आर. आई. खातों को फंड स्थानांतरण नहीं किया जाए अतः एन. आर. आई. पालिसी धारको / दावेदार से अनुरोध है कि वह अपने खाते का विवरण एन. ई. एफ. टी. के लिए न दें।
- आई. एन. ई. एफ. टी. के विवरण भेजने के पश्चात यदि बैंक के विवरण में किसी प्रकार का परिवर्तन हो तो पुनः आदेश पत्र भरना होगा।

**एन.ई.एफ.टी (NEFT) का लाभ घेणाऱ्या पॉलिसीधारक/दावेदारकरिता आवश्यक माहिती :**

- सोबत जोडलेल्या अधिकार-पत्रातील सर्व बाबींची योग्य माहिती भरून घ्यावी. हे अधिकार-पत्र 6 वेगळ्या पॉलिसी क्रमांकासाठी वापरले जाऊ शकते.
- एन.ई.एफ.टी (NEFT) साठीचा अर्ज आमच्या शाखेच्या वर नमूद केलेल्या पत्त्यावर अथवा ग्राहक सेवा केंद्रावर (कस्टमर झोन) पाठवावा.
- पॉलिसीधारक/दावेदाराला रद्द केलेल्या रिक्त चेकचे पृष्ठ किंवा पासबुक/चेकबुक च्या पृष्ठाची फोटोकॉपी आपल्या खात्याची माहिती दिली आहे तेथे जोडावे लागेल.
- देय दिनांकापासून दोन दिवसांचे आत जर रक्कम तुमच्या बँक खात्यात जमा झाली नाही तर आमच्या शाखा कार्यालयाशी संपर्क साधा.
- पॉलिसीधारकाचे/वार्षिकीधारकाचे बँक खाते रक्कम जमा होण्याच्या वळेस चालू असणे आवश्यक आहे.
- अधिकार-पत्र पाठविण्यापूर्वी पॉलिसीधारकाने/दावेदाराने आपल्या बँकेकडून एन.ई.एफ.टी (NEFT) योजनेत बँक सहभागी असल्याची खात्री करून घ्यावी.
- पॉलिसीधारकाचे/दावेदाराचे पॉलिसीवरील नाव बँक खात्यावरील नावाशी जुळले पाहिजे अन्यथा ते अस्वीकृत होईल.
- अनिवासी भारतीय (एन.आर. आय) बँक खाती एफ.ई.एम.ए. नियमांच्या मार्गदर्शनाखाली चालतत. एल.आय.सी. ने अनिवासी भारतीय (एन.आर. आय) खाती निधि हस्तांतरणासाठी अंतर्भूत करू नये असे ठरविले आहे. म्हणून पॉलिसीधारक/वार्षिकीधारकाने आपल्या एन.आर. आय खात्याची माहिती कृपया देऊ नये.
- एन.ई.एफ.टी (NEFT) साठी माहिती दिल्यावर जर बँकेच्या माहिती संदर्भात काही बदल असल्यास नवीन अधिकार-पत्र भरून द्यावे लागेल.

**Necessary information to the Policy holder/claimants opting for NEFT :**

- All the items mentioned in the enclosed mandate form should be filled correctly. This mandate can be used for 6 different policy numbers.
- The application for NEFT should be sent to our Branch as per address given above or to customer zone.
- The policy holder / claimant should also submit either a cancelled blank cheque leaf or the photo copy of the page of the passbook/cheque book where details of the account are mentioned.
- If within two days of the due date, the amount is not credited to your bank account, contact our branch office.
- The account of the policy holder/annuitant should be operational at the time of receipt of policy payment.
- Before submitting the mandate form, the policyholder/ claimant should confirm from his bank that it is NEFT enabled.
- Policy holder's /claimants name under the policy should match with that of Bank A/c., else it is likely to be rejected.
- NRI accounts are guided by FEMA regulations. LIC has decided not to include NRI accounts for fund transfer. So policy holders / annuitants are requested not to submit their NRI account details.
- After submission of NEFT details, if there is any change in bank details, then fresh mandate form will have to be submitted.

सुचना : ह्या प्रपत्राबाबत कोणताही विवाद उद्भवल्यास इंग्रजी भाषेतील संस्करण प्राधान्य घेतले जाईल.  
टिप : इस प्रपत्र की कानूनी जवज्या के लिए अंग्रेजी पाठ ही अंतिम मान जाएगा।  
Note : In case of dispute in respect of interpretation of terms the English version shall stand valid.